PRAGYA COLLEGE OF EDUCATION

M.ED 2021-23

FLANDER INTERACTION ANALYSIS

Pragya College of Education

1

Topic : .... Date : ....

Page No. ....

भूमिका :- शिक्षक द्वारा अपने शिक्षण के जिस प्रकार के व्यवहार को अपनाया तथा उसका प्रदर्शन किया जाता है उसे ही शिक्षण व्यवहार की संज्ञा दी जाती है।

वास्तव में देखा जाए तो कक्षा कक्ष में एक अध्यापक द्वारा जिस प्रकार का सार्थक और असार्थक व्यवहार अपने विद्यार्थियों के साथ अत: क्रिया करने में किया जाता है, विद्यार्थियों के साथ व्यवहार में परिवर्तन लाने की दृष्टि से उसकी सदैव ही महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है।

ऐसा व्यवहार करते समय अध्यापक विद्यार्थियों से विभिन्न प्रकार के प्रश्न पूछता है विषय सामग्री से संबंधित ज्ञानों का वर्णन और विश्लेषण तथा व्याख्या करता है, क्रियाओं का प्रदर्शन करता है उदाहरण देता है एवं विद्यार्थियों के उत्तर तथा उनके द्वारा किए जाने वाले कार्य के प्रति अपनी अनुचिताएं साझा करता है।

अध्यापक की इन व्यवहार चेष्टाएँ मा या तो शाब्दिक रूप से प्रविभतासित होती है या अनुशाब्दिक रूप से अभिव्यक्ति होती है इस शब्द की अभिव्यक्ति शिक्षण या शिक्षक या अनुदेशन थे उद्देश्यों की प्राप्ति को वांछित किया व दिशा प्रदान करने में सहायता करता है।

Pragya College of Education

अन्त: क्रिया विश्लेषण :-

एक अध्यापक की क्षमता और कार्यकुशलता से अनुमान करके उसके शिक्षण की प्रभावपूर्णता के संदर्भ में जाना जा सकता है वास्तविक शिक्षण उसके कक्षा व्यवहार अथवा विद्यार्थियों के बीच होने वाली अंत: क्रिया के अध्ययन को किया जाता है।

इस प्रकार से अध्यापक कक्षा व्यवहार अथवा कक्षा अंत क्रिया के अंतुसंबंधित और वास्तविक विश्लेषण द्वारा कक्षा में शिक्षण और अधिकम के रूप में जो कुछ भी आता है उनका विश्वशनीय मूल्यांकन करने में सहायता मिलती है ऐसा व्यवहार और कक्षा अन्त:क्रिया विश्लेषण के नाम से जाना जाता है।

इस प्रकार अंत क्रिया विश्लेषण एक होते प्रभावित निरीक्षण साधन और विश्लेषण तकनीक के बारे में कार्य करना है. जिसके द्वारा शिक्षक व्यवहार और कक्षा अंत क्रिया के प्रारूप का समुचित अध्ययन और विश्लेषण किया जा सकें।

Pragya College of Education

अन्त: क्रिया विश्लेषण का अर्थ

अंत क्रिया विश्लेषण से अभिप्राय उस तकनीक से है इसके अंतर्गत कक्षा-कक्ष में घटने वाली घटनाओं का आधुनिक और व्यवस्थित निरीक्षण करने की व्यवस्था होती है जिसे अध्यापक के द्वारा व्यवहार और कक्षा-कक्ष में चल रही अंत: क्रिया का अनुचित अध्यापक बनने के लिए प्रयोग में लाया जाता है।

इसके द्वारा एक अध्यापक को अपने शिक्षक को अधिक प्रभावशाली और उद्देश्यपूर्ण बनाने हेतु अपने के अंतिम परिवर्तन लाने और आने विद्यार्थियों के साथ होने वाली अंत क्रिया के आवश्यक सुधार करने के कार्य में पुरी-पुरी सहायता मिलती है।

फ्लेंडर्स अंत: क्रिया विश्लेषण प्रणाली :-

इस क्रिया विश्लेषण में इस प्रणाली का विकास 1989 में बिति को ए. अवेरन नारा मिला प्रतिमान को एक तकनीकी के रूप में क्रिया हला था रूप से जा लकी के साथ प्रणाली है जिसके अन्तर्गत कक्षा में अपने विद्यार्थियों के साथ अर क्रिया करते हुए अध्यापक के भाषी साधन शालम सहायता में बढ़ीकित करने का आदर किया जाता है।

Pragya College of Education

Topic : .... Date : .... Page No. ....

★ अत: – क्रिया विश्लेषण

★ अत:- क्रिया विश्लेषण का अर्थ

★ फलेंडर्स अत: क्रिया विश्लेषण लेखिका

★ कक्षा में घटित घटनाओं का विश्लेषण एवं अभिलेखन

★ शिक्षण व्यवहार का परिमाणात्मक विश्लेषण

Pragya College of Education

सा। शाप्ती में शक्ति व्यवहारों की कुल 10 श्रेणियाँ होती हैं जिन्हें नीचे मुख्य समूहों में सन्नीकय किया जा सकता है -

1. शिक्षक वार्ता।

2. छात्र वार्ता।

3. मौन या अस्त - व्यस्तता।

शिक्षक वार्ता हो सबंधित प्रथम मुख्य रूप के अंतर्गत सात श्रेणियाँ होती हैं इनमें मुख्यत चार की श्रेणियाँ होती हैं। इनमें से सभी चार की श्रेणियों का संबंध अप्रत्यक्ष प्रभाव से होता है जबकि पिछली तीन श्रेणियों का संबंध प्रत्यक्ष प्रभाव से होता है।

अप्रत्यक्ष प्रभाव की श्रेणियों के अंतर्गत शिक्षक के साथ सार्थक व्यवहार आते हैं तो विद्यार्थियों की अनुक्रिया करने के अधिकाधिक व्यवहार प्रदान करने अथवा उसकी कार्य क्षमताएँ को अधिकाधिक बनाने में सहायक होते हैं इसके विपरीत उत्पन्न प्रभाव की श्रेणियों के अंतर्गत शिक्षक के इस शाब्दिक व्यवहार का खवहिश होता है जिसके द्वारा विद्यार्थियों के काम बनने की सार्थकता पर अंकुश लगाना है

छात्रकर्ता को मानसिक द्वितीय मुख्य रूप के अंतर्गत दो श्रेणियाँ होती हैं।

Pragya College of Education

उतीन खण्ड मे कौन सी

स्लेकर्म अंत क्रिया विश्लेषण

शिक्षक वार्ता -

भावनाओं से स्वीकार करना :- इस श्रेणी के अंतर्गत कार्यों को ~~योजनाओं को स्वीकार किया~~ जाता है चाहे जो मनभावक हो या छात्रों की भावनाओं को स्वीकार करने संबंधित इस श्रेणी मे है।

प्रशंसा का प्रोत्साहन देना :- इस श्रेणी में शिक्षक व्यवहार अपेक्षित है जिसके द्वारा प्रोत्साहन किया जाता है।

छात्रों के विचारों को स्वीकारना :- इस श्रेणी मे शिक्षक का व्यवहार आता है जिसके द्वारा वह छात्रों के विचारों को स्वीकार करता है और इन्हे विकसित करता है प्रहस्ता है या उनको दूसरी यथाकारी मे व्यमन कहता है।

प्रश्न पूछना :- इस श्रेणी मे छात्रों के विषय से संबंधित प्रश्न पूछे जाते है।

Pragya College of Education

Topic .... Date .... Page No. ....

7

प्रश्न पूछना :-

इस श्रेणी में छात्रों से विषय वस्तु से संबंधित प्रश्न पूछे जाते है

प्रत्यक्ष प्रभाव :-

★ व्याख्यान देना :-

इस श्रेणी में विषय वस्तु को व्याख्याने के लिए आवश्यक को व्याख्यान कौशल का प्रयोग किया जाता है तभी छात्र विषयवस्तु को भली-भांति समपूर्ण करें।

★ निर्देश देना :-

अध्यापक के द्वारा छात्रों को कोई भी कार्य करने का आदेश देना या निर्देश देना इस श्रेणी के अंतर्गत आता है।

आलोचना करना :-

इस श्रेणी के अंतर्गत अध्यापक के द्वारा विद्यार्थियों को उनके बुरे व्यवहार या चुपचुली ऊर्जा की आलोचना करना तथा कोई एक अमुक कार्य, शिक्षक के द्वारा किया जा रहा है। यह समझाना आदि।

Teacher Remarks's ....

Class world

Pragya College of Education

Topic .... Date .... Page No............

1. छात्र अनुक्रिया :-

इस श्रेणी में किसी वार्ता छिपाने छात्र शिक्षक के प्रश्नों या व्यवहारों के क्रियास्वरूप वाली अनुक्रिया करते हैं

2. छात्र स्लोक्रम या सहन होना :-

इसमें व्यवहार जिसने छात्र स्वेच्छा के चलते हैं अथवा जिसमें छात्र द्वारा सहन वाली प्रक्रिया करते हैं।

3. मौन या प्रसन्नतता :-

मौन या प्रसन्नतता :-

इस श्रेणी में ऐसा व्यवहार किया जाता है जिसने निरीक्षण के समान में न कथा को इस तरह रखा है ऐसा इकाए जल कक्षा में मौन वातावरण है जिसमें कम चल रहा है निरीक्षण की जगह में न आ सके।

★ फ्लैंडर्स की अन्तः क्रिया विशेषण तकनीक को कैसे प्रयुक्त किया जाए :-

इस तकनीक के प्रयोग में निम्नलिखित मुख्य सेलानों का सयाकेरा होता है।

1) ऊर्जा से ग्रसित जानाओं का निरीक्षण से अंकिता।
2) अतः क्रिया मैजिक्स
3) अतः क्रिया मैट्रिक की व्याख्या करना

Pragya College of Education